चल समारोह निकला, मां जगदंबे को दी विदाई

राजधानी में क्रेन और पोकलेन मशीनों के माध्यम से घाटों में किया बड़ी देवी प्रतिमाओं का विसर्जन

भोपाल, 3 अक्टूबर. राजधानी भोपाल में नवरात्र के समापन के साथ ही दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी है. शुक्रवार को भी शहर के विभिन्न घाटों पर देवी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. छोटे आकार की दुर्गा प्रतिमाओं को घाटों पर बनाए गए विशेष कुंडों में विसर्जित किया जा रहा है, जबकि बड़ी प्रतिमाओं को क्रेन की मदद से जल में विसर्जित किया जा रहा है. प्रतिमाओं का विसर्जन दो दिन तक चलेगा.

प्रतिमा विसर्जन के लिए प्रशासन ने खटलापुरा, प्रेमपुरा, बैरागढ़, हथाईखेड़ा, शाहपुरा, आर्च ब्रिज, मालीखेड़ी, सीहोर नाका, अनंतपुरा, ईटखेड़ी और नरोन्हा सांकल समेत 11 प्रमुख घाटों पर व्यवस्थाएं की हैं. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घाटों पर बेरिकेडिंग की गई है, यहां 4 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी सुरक्षा, सफाई और विसर्जन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. प्रशासन ने प्रत्येक घाट पर गोताखोर तैनात किए हैं. साथ ही क्रेन, जेसीबी व लाइफ जैकेट की व्यवस्था की गई है.

हिंदू उत्सव समिति ने निकाला चल समारोह, 300 से अधिक देवी प्रतिमाएं शामिल

शुक्रवार देर शाम को हिंदू उत्सव समिति का श्री दुर्गा चल समारोह सेंट्रल लाइब्रेरी भारत टॉकीज से होकर इतवारा, जैन मंदिर रोड, मंगलवारा चौराहा, हनुमानगंज छोटा भैया कॉर्नर, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, भवानी चौक सोमवारा होते हुए कमलापति घाट के लिए रवाना हुआ. इस चल समारोह में करीब छोटी बड़ी मिलाकर 300 से अधिक प्रतिमाएं शामिल हैं. साथ ही चल समारोह में शामिल आकर्षक झांकियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे. चल समारोह में युवा डीजे और ढोल-ढमाकों पर नृत्य करते हुए और दुर्गा के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे. नगर निगम ने प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रेमपुरा घाट पर तीन क्रेन और दो पोकलेन मशीनें लगाई हैं. खटलापुरा और रानी कमलापति घाटों पर दो-दो क्रेन और पोकलेन की व्यवस्था की है.

दशहरा उत्सव : स्वदेशी अपनाने का आह्वान

भोपाल, 03 अक्टूबर. शहर में गुरुवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया. वाजपेयी नगर, ईदगाह हिल्स स्थित गुरुनानक मंडल दशहरा उत्सव समिति ने दशहरा समारोह का आयोजन किया.

इस अवसर पर 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया. जिसने हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं को असत्य पर सत्य की विजय का संदेश दिया. समारोह में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी के दिव्य स्वरूप के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहे. कार्यक्रम में पुष्पा फिल्म फेम जूनियर पुष्पा राज भाऊ (मुंबई) ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. भजन संध्या में प्रदेश के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी. रावण दहन के बाद हुई आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही. दशहरा उत्सव समिति गुरुनानक मंडल के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने आह्वान किया कि स्वदेशी बचाओ, देश बचाओ. उन्होंने उपस्थित नागरिकों से देशभक्ति और स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेने की अपील की. समिति के उपाध्यक्ष नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि यह आयोजन वाजपेयी नगरवासियों के लिए एक यादगार अवसर है, जिसमें धर्म, संस्कृति और देशभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला. शहर के अन्य प्रमुख इलाकों में भी दशहरा उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. लालघाटी, बैरागढ़, कोलार और अरेरा कॉलोनी समेत कई स्थानों पर रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया गया. हर जगह आतिशबाजी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और झांकियों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया. भव्य आयोजन ने न केवल विजयादशमी की परंपरा को जीवित किया बल्कि समाज में स्वदेशी और राष्ट्रप्रेम का संदेश भी नागरिकों को दिया.

विजयादशमी सत्य व धर्म की विजय का प्रतीक

बीएचईएल भोपाल में मनाया विजयादशमी उत्सव

समारोह को भेल महाप्रबंधक उपाध्याय ने किया संबोधित

बीएचईएल संवाददाता

भोपाल, 3 अक्टूबर. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), भोपाल में विजयादशमी का पर्व परंपरागत उल्लास और गरिमा के साथ बीएचईएल दशहरा मैदान में मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि बीएचईएल भोपाल के महाप्रबंधक एवं यूनिट हेड प्रदीप कुमार उपाध्याय ने कहा कि विजयादशमी भारतीय संस्कृति में शौर्य, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है.

उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें सदैव असत्य और अन्याय के विरुद्ध सत्य और धर्म का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है. उन्होंने सभी से ईमानदारी, परिश्रम और सुरक्षा उपायों को अपनाकर लक्ष्यों की प्राप्ति में जुटने का आह्वान किया.

कार्यक्रम में विशेष रूप से रोज़ी उपाध्याय, अध्यक्ष बीएचईएल लेडीज़ क्लब; टी.यू. सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एवं दशहरा समिति के संरक्षक; सभी महाप्रबंधक; प्रशांत पाठक, अध्यक्ष बीएचईएल दशहरा महोत्सव समिति; समीर पॉल, सचिव; विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, कर्मचारी और कॉलोनीवासी उपस्थित रहे.

महाप्रबंधक उपाध्याय ने कहा कि सत्यमेव जयते भारत की संस्कृति का मूल मंत्र है और आज भी पूरी दुनिया में भारत इसकी जीवंत मिसाल है. उन्होंने माता दुर्गा द्वारा महिषासुर वध का उदाहरण देते हुए कहा कि धर्म और साहस सदैव अहंकार व अन्याय पर विजय पाते हैं. अंत में उन्होंने सभी को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं.

एक नजर में

व्यापारी संघ ने कन्याओं को दी शिक्षण सामग्री

भोपाल. विजयादशमी के अवसर पर गुरुवार को श्री दुर्गा समिति व्यापारी संघ गोविंद गार्डन रायसेन रोड द्वारा भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें कन्याओं का पूजन कर उन्हें शिक्षण सामग्री वितरित की गई. समिति के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि दशहरे के दिन मातारानी के पंडाल परिसर में विशाल भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें लगभग पांच हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. प्रसाद में भक्तों को पूड़ी, ,सब्जी, कढ़ी ,चावल एवं हलवा परोसा गया. पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखकर भंडारे को सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त संपन्न किया गया. समिति द्वारा कन्याओं का पूजन कर उनको शिक्षा सामग्री दी गई.

विजयादशमी पर कर्मचारियों ने रोपे पौधे

भोपाल. विजयादशमी पर्व पर मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने कोलार स्थित कन्हा कुंज पार्क में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में हरी सिंह गुर्जर, चांद सिंह, रामबाबू सोनी, लव प्रकाश पाराशर, श्याम बिहारी सिंह, दिनेश श्रीवास्तव, सरिता वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए. अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि दशहरा और दीपावली पर आतिशबाजी तथा पुतला दहन से पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुंचती है. यदि भगवान श्रीराम को सच्ची श्रद्धांजलि देनी है तो यह केवल प्रदूषण फैलाकर नहीं, बल्कि प्रकृति की रक्षा करके संभव है. उन्होंने कहा कि पौधा रोपण करना ही पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढ़ियों को सुरक्षित जीवन देने का सच्चा संकल्प है. मंच के पदाधिकारियों ने घोषणा की कि आगामी वर्षों में दशहरा और दीपावली जैसे पर्वों पर भोपाल सहित पूरे प्रदेश में सैकड़ों पौधे रोपकर उत्सव मनाया जाएगा. इस पहल का उद्देश्य समाज में हरित क्रांति को बढ़ावा देना और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देना है.

भारत भवन में सिंधी नाट्य समारोह आज से

भोपाल. भारत भवन में शनिवार से तृतीय अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का शुभारंभ हो रहा है. मध्यप्रदेश सिंधी अकादमी, मप्र संस्कृति परिषद और भारत भवन के सहयोग से आयोजित यह समारोह दिवंगत रंगकर्मी सुंदर अगनानी की स्मृति में हो रहा है. दो दिवसीय समारोह, नाट्य विधा के विविध रंगों से सजी छह प्रस्तुतियों के माध्यम से सिंधी थिएटर की समृद्ध परंपरा को जीवंत करेगा. समारोह का संयोजन सिंधी रंग समूह, भोपाल और मनोहर अगनानी एवं परिवार द्वारा किया जा रहा है. समारोह का उद्घाटन 4 अक्टूबर को शाम 6.30 बजे सुंदर अगनानी सम्मान समारोह के साथ होगा. तीन सशक्त नाट्य प्रस्तुतियां मंचित होंगी – सेण जो टिफिन (लेखक – अशोक मनवानी, निर्देशक – नंदनी पंजवानी) की प्रस्तुति ज्योति कला संस्थान, जयपुर द्वारा दी जाएगी.

मप्र लेखिका संघ अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराडे का सम्मान

भोपाल, 3 अक्टूबर. नागरिक कल्याण समिति टीटी नगर द्वारा विजयादशमी समारोह के अवसर पर डॉ. साधना गंगराडे, अध्यक्ष हिंदी लेखिका संघ मप्र का सम्मान किया गया.

मानव संग्रहालय में बंगश बंधु का सरोद वादन 7 अक्टूबर को

भोपाल, 3 अक्टूबर. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय श्यामला हिल्स भोपाल में 7 अक्टूबर मंगलवार को शरण पूर्णिमा के अवसर पर शाम 6:30 बजे संग्रहालय के आवृति भवन परिसर के मुक्ताकाश मंच पर पूनम-39 का आयोजन किया जाएगा. इस सांगीतिक संध्या में सरोद वादक अमान अली बंगश और अयान अली बंगश सरोद वादन की प्रस्तुति देंगे.

सेन्ट्रल लाइब्रेरी में 100 पुस्तकें लांच

लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे विद्यार्थी

भोपाल, 3 अक्टूबर. शासकीय मौलाना आजाद केन्द्रीय पुस्तकालय भोपाल में लोक शिक्षण संचालनालय से मिले आबंटन से क्रय की गई 100 से अधिक पुस्तकों को लांच किया गया. इन पुस्तकों में आगामी भर्ती परीक्षा मध्यप्रदेश आरक्षक, सूबेदार, क्लेट, केट, सीडीएस, सीपीसीटी आदि परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं.

इन पुस्तकों को केवल 600 रुपये सालाना सदस्यता से पुस्तकालय में बैठकर अध्ययन करने एवं 14 दिनों के लिए घर ले जाने की सुविधा उपलब्ध होगी. पुस्तक लाँच के अवसर पर क्षेत्रीय ग्रंथपाल रत्ना वाधवानी, ग्रंथपाल निशा बातव, मैनेजर रचित मालवीय सहित अन्य स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहे.

सेन्ट्रल लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों का चयन करते विद्यार्थी.

शब्द उत्सव 2025 का आयोजन आज और कल

भोपाल, 3 अक्टूबर. शब्द उत्सव 2025 का आयोजन 4 और 5 अक्टूबर को भोपाल के मायाराम सुरजन स्मृति भवन में होगा. मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय साहित्यिक और सांस्कृतिक उत्सव में देश भर से साहित्यकार, कवि, इतिहासकार और पत्रकार भाग लेंगे. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता रवि श्रीवास्तव करेंगे तथा मुख्य अतिथि दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक राजशेखर व्यास होंगे. प्रथम दिन मीडिया की भाषा दूरदर्शन और आकाशवाणी का हिन्दी साहित्य संसार भारत और उसकी ज्ञान परंपरा तथा दुष्यंत के बगैर 50 बरस जैसे विषयों पर चर्चा होगी. साथ ही कविता पोस्टर प्रदर्शनी सरोद वादन और काव्य संध्या का आयोजन होगा.

मंचन | बघेली भाषा में बहुला ढाड़ी दुआर नाटक की प्रस्तुति

नाटक में रिश्तों की मर्यादा, प्रकृति प्रेम को दर्शाया

नवभारत प्रतिनिधि,

भोपाल, 3 अक्टूबर. रिश्तों की मर्यादा और गौ माता पर अत्याचार के दृश्यों को संजोता बहुला ढाड़ी दुआर नाटक की प्रस्तुति लिटिल बैले ट्रुप में हुई. नाटक की प्रस्तुति कोपल सांस्कृतिक एवं सेवा समिति द्वारा मप्र संस्कृति संचानालय के सहयोग से शुक्रवार शाम 7 बजे हुई. नाटक का लेखन योगेश त्रिपाठी, निर्देशन सतीश व्याम द्वारा किया गया.

नाटक के सभी कलाकारों ने पहली बार बघेली भाषा में प्रस्तुति दी. जो कि जीवन में रिश्तों की बागडोर और वर्तमान परिदृश्यों को व्यक्त करता हुआ नजर आया. नाटक को एक गाय और बाघ की कहानी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है. जो रिश्तों की मर्यादा, प्रकृति प्रेम, और जीवन रक्षा के अनमोल परिदृश्यों को दिखलाता है.मंच पर मुख्य भूमिका में प्रियंवदा सिन्हा, राधिका गंधर्व, स्वराज सिंह श्याम, संतोष कुमार सुमन, सतीश व्याम, मनाली मैंना, प्रयाग साहू, ममता धुर्वे, विनोद टेकाम, अक्षिता, सुनील कुमार रावत, रीतेश पूसे, प्रकाश श्याम, खिलना सिन्हा,करण मरावी, मिथुन खोटे, केशो सिन्हा सभी किरदारों को बारीकी के साथ निभाते हुए दिखे.

नाटक के बारे में

कथा में जंगल का राजा बाघ, गाय बहुला का शिकार करना चाहता है, लेकिन बहुला कहती है कि वह आखिरी बार अपने बछड़े को दूध पिलाना चाहती है. उसके बाद वह स्वयं बाघ का भोजन बनने के लिए उपस्थित हो जायेगी. नाटकीय घटनाक्रम में बाघ गाय को अपनी बहन बना लेता है, गाय उसको भाई मानते हुए बाघ के दीर्घायु होने के लिए व्रत रखती है. मनुष्य बाघ को दुश्मन मानता है, गाय को अपनी मां. मनुष्य और बाघ के बीच गाय एक सेतु का काम करती है. यानि गाय हमें प्रकृति के प्रतीक बाघ से जोड़ती है. यह नाटक इसी लोककथा का विस्तार है.

पीएस ने किया गौशाला का निरीक्षण

भोपाल, 3 अक्टूबर. दुग्ध समृद्धि अभियान एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि के लिए शनिवार को प्रिंसिपल सेक्रेटरी खनिज एवं पशुपालन उमाकांत उमराव ने बृजमोहन रामकली गौसंरक्षण केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया.

उन्होंने अध्यक्ष प्रहलाद दास मंगल एवं सचिव प्रमोद नेमा से गौशाला की संपूर्ण गतिविधियों के बारे में जानकारी ली एवं उन्नत पशुपालन के लिए कृत्रिम गर्भाधान तथा गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए गौकाष्ठ बनाने आदि के बारे में विस्तृत चर्चा कर गो पूजन के साथ गायों को गुड़ खिलाया. इस अवसर पर कलेक्टर रायसेन अरुण विश्वकर्मा, डिप्टी डायरेक्टर रमेश कुमार शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अधिकारी गण उपस्थित थे.